दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : *dnpggkp@gmail.com*
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 22.04.2026

प्रकाशनार्थ

दिनांक 22.04.2026 गोरखपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के आई.क्यू.ए.सी एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अवनीश, महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता प्रो. अवनीश ने अपने विस्तृत उद्बोधन में पृथ्वी संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के ह्रास, वनों की कटाई तथा प्रदूषण जैसी समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में छोटे–छोटे परिवर्तन लाकर पृथ्वी संरक्षण में योगदान दें, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं ऊर्जा की बचत। उन्होंने कहा कि यदि आज की युवा पीढ़ी पर्यावरण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनती है, तो भविष्य में एक संतुलित और सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण संभव है। उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने, अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण अभियानों में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पृथ्वी केवल संसाधनों का स्रोत नहीं, बल्कि समस्त जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मानव गतिविधियों के कारण पर्यावरण पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पर्यावरण संरक्षण को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उन्होंने महाविद्यालय में पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, ऊर्जा संरक्षण पहल एवं हरित परिसर के निर्माण पर विशेष बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है कि वे विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे वे जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि सहित सभी का स्वागत प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक आई.क्यू.ए.सी एवं आचार्य वनस्पति विज्ञान द्वारा किया गया। अपने प्रस्ताविकी वक्तव्य में उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन लाना भी है। उन्होंने कहा कि वनस्पति विज्ञान विभाग सदैव प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरणीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने, पौधों के महत्व को समझने तथा जैव विविधता के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्यों एवं इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय एवं अन्य शिक्षकगण सहित वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क